B.A Part III (H)

Paper V

Dr. Chiranjeev Kumar Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Raj Nagar

Lecture VI

नातेदारी श्रेणियां => Kinship Categories

जी.डी. मरडाक ने नातेदारी व्यवस्था का गहन अध्ययन किया है। निकटता, घनिष्ठता एवं सम्पर्क के आधार पर नातेदारों को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित कर सकते हैं-

1. प्राथमिक नातेदार => प्राथमिक नातेदार वे व्यक्ति हैं जिनसे हमारा सीधा सम्बन्ध होता है। एक परिवार में 8 प्रकार के प्राथमिक सम्बन्धी हो सकते हैं जिनमें सात रक्त से सम्बन्धित तथा एक विवाह से सम्बन्धित होता है। पिता-पुत्र, पिता-पुत्री, माता-पुत्र, माता-पुत्री, भाई-भाई, भाई-बहन, बहन-बहन ये सभी रक्त सम्बन्धी हैं। पति-पत्नी का प्राथमिक सम्बन्ध विवाह पर आधारित है।

2. द्वितीयक नातेदार - किसी व्यक्ति के प्राथमिक नातेदार का अपना जो प्राथमिक नातेदार होता है उसे द्वितीयक नातेदार कहा जाता है। उदाहरण के लिए हमारे पिता प्राथमिक नातेदार हैं तथा पिता के प्राथमिक नातेदार उनके पिता हैं अर्थात दादा जी हमारे द्वितीयक नातेदार होंगे। जी. पी. मरडॉक ने 33 प्रकार के द्वितीयक नातेदारों का उल्लेख किया है।

3. तृतीयक नातेदार - व्यक्ति के द्वितीयक नातेदार का अपना जो प्राथमिक नातेदार होता है उसे तृतीयक नातेदार कहा जाता है। जैसे दादा जी के पिता हमारे लिए तृतीयक नातेदार होंगे। मरडॉक ने कुल 151 प्रकार के तृतीयक नातेदारों का उल्लेख किया है।

4. • दूरस्थ नातेदार - व्यक्ति के तृतीयक नातेदार के - प्राथमिक नातेदार व्यक्ति के दूरस्थ नातेदार कहलाते हैं। उदाहरण के लिए दादाजी के दादाजी।